अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र 2 (2020-2021)

इतिहास (027)

कक्षा-XII

	खंड क	
1.	आजीविक संप्रदाय Theme-4 Page 107	1
2.	सगुण और निर्गुण Theme 6 Page 143	1
3.	हड़प्पा की जल निकास प्रणाली Theme 1 Page 7	1
4.	d) वे प्रायः मलयालम बोलते थे Theme 7 Page 175	1
5.	"द रीलीफ़ ऑफ़ लखनऊ " चित्रकार टॉमस जोन्स बार्कर Theme 11 Page 308 **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए** **d)** यह तस्वीरे उस काल की मनोदशा के बारे में बताती है। Theme 11 Page 309	1
6.	"बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था, वे शाक्य क़बीले के सरदार के बेटे थे " Theme 3 Page 89	1
7.	c) कृष्णदेव राय Theme 7 Page 174	1
8.	इस्तमरारी बंदोबस्त के अंतर्गत सूर्यास्त विधि के अनुसार निश्चित तारीख़ को सूर्य अस्त होने तक ईस्ट इंडिया कंपनी के पास भुगतान नहीं आता तो जमींदारी को नीलाम किया जा सकता था. Theme 10 Page 260	1
9.	पितृवंशिकता का अर्थ है वह वंश परंपरा जो पिता के पुत्र और फिर पौत्र , प्रपौत्र आदि से चलती है । मातृवंशिकता शब्द का इस्तेमाल हम तब करते हैं जहाँ वंश परंपरा माँ से	1

	जुड़ी होती है। Theme 3 Page 55	
10.	d) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण है। Theme 2 Page 24	1
11.	b) अब्दुल हमीद लाहौरी Theme 9 Page 231	1
12.	वी .एस .सुकथांकर Theme 3 Page 54	1
13.	मुगल भारत में पांडुलिपियों (हाथ से लिखी पुस्तक)की रचना का केंद्र किताबखाना कहलाता था । जिसे पुस्तकालय के रूप में अनुवादित किये जा सकता था । यह दरअसल एक लिपिघर अर्थात ऐसी जगह जहाँ बादशाह की पांडुलिपियों का संग्रह रखा जाता था। Theme 9 Page 227	1
14.	(i) (ii) (iii) (iv) B. (c) (a) (d) (b) Theme 6 Page 148	1
15.	d) उपरोक्त सभी Theme 13 Page 352	1
16.	a) आर. वी. धुलेकर ने Theme 15 Page 426	1
	खंड ख	
17.	1) b) सभी राजकुमारों के अल्पव्यस्क होने के कारण 2) a) शारीरिक पूर्णता 3)A. वेदव्यास 4) a) धृतराष्ट्र और गांधारी के Theme 3 Page 57	1+1+1=3
18.	1) a) शिवभक्त करइक्काल अम्मइयार का 2) a) सगुण 3) c) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है पर कारण(R) कथन(A) का	1+1+1=3

	स्पष्टीकरण नहीं है। 4) b) दक्षिण भारत Theme 6 Page 145 **<u>केवल दृष्टिबधितों के लिए : प्रश्न संख्या 18 के स्थान पर</u>** 1) (a) निर्गुण 2) (c) दोनों (i) और (ii) 3) d) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण देता है। 4) a) दोनों (i) और (ii) सही हैं Theme 6 Page 160	
19.	1) a) हिंदी और उर्दू 2) c) हिन्दुस्तानी 3) a) दोनों (i) और (ii) सही है 4) (d) क्लिष्ट होने चाहिए Theme 13 Page 425	1+1+1=3
	खंड ग	
20.	1. हड़प्पा स्थलों में मिले शवाधानों में आम तौर पर मृतकों को गर्तों में दफनाया गया था 2. कभी-कभी शवाधान गर्त की बनावट एक दुसरे से भिन्न होती थी 3. कुछ स्थानों पर गर्त की सतहों पर ईटों की चिनाई की गई थी 4. कुछ कब्रों में मृदभाण्ड तथा आभूषण मिले हैं 5. संभवतः यह ऐसी मान्यता की ओर संकेत करते हैं जिसके अनुसार इन वस्तुओं का मृत्योपरांत प्रयोग किया जा सकता था 6. पुरषों और महिलाओं दोनों के शवाधानों से आभूषण मिले कही-कही पर मृतकों को ताम्बे के दर्पणों के साथ दफनाया गया 7. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 1 Page 9	3
21.	डोमिंगो पेस ने विजय नगर राज्य के महानवमी डिब्बा को विजय भवन की संज्ञा दी 1. शहर के सबसे ऊँचे स्थान में से एक पर स्थित महा नवमी डिब्बा एक विशालकाय मंच जो लगभग 11000 फ़ीट के आधार से ४० फ़ीट की ऊँचाई	3

	तक जाता है 2. इस पर एक लकड़ी की संरचना बनी थी 3. मंच का आधार उभार उत्कीर्णिन से पटा पड़ा है 4. संरचना से जुड़े अनुष्ठान दशहरा ,दुर्गा पूजा तथा नवरात्रों के साथ संपन्न होते 5.विजय नगर के शासकों द्वारा अपने रुतबे,ताक़त प्रतिष्ठा और शक्ति का प्रदर्शन 6.नृत्य , कुश्ती , प्रतिस्पर्धा, घोड़े,हाथियों तथा सैनिकों की शोभा यात्रा 7.नायकों द्वारा राजा को उपहार देना 8.नायकों की सैनिक का निरीक्षण करना है 9. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 7 Page 180	
22.	1. गाँधी जी के लिए नमक विरोध का एक प्रतीक था। 2. ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक के उत्पादन और विक्रय पर राज्य का एकाधिकार । 3. प्रत्येक घर में नमक का प्रयोग होता था परन्तु उन्हें घरेलू उपयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका जाता था और दुकानों में ऊंचे दामों पर बेचा जाना। 4. नमक के विरुद्ध जनता में काफी असंतोष था। 5. गाँधी जी नमक कानून को सबसे घृणित कानून मानते थे। इस तरह नमक स्वतंत्रता के संघर्ष का एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया। 6. गाँधी जी इस कानून को तोड़ कर जनता में फैले असंतोष को अंग्रेजी शासन के विरुद्ध एक जुट करना चाहते थे 7. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 13 Page 357	3
23.	कुचलने के क़दम 1. मार्शल ला 2.मुक़दमे 3.सैनिक कार्रवाई 4.कूटनीति 5.वफ़ादारी करने वालों को ईनाम 6. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 11 Page 305	3

	खंड घ	
24.	अभिलेख - जो पत्थर ,धातु या मिट्टी के बर्तन जैसी कठोर सतह पर खुदे होते हैं। महत्व - 1.उस काल की उपलब्धियां , क्रियाकलाप और विचारों को जाना जा सकता है 2. राजाओं के क्रियाकलाप को भी जाना जा सकता है 3.महिलाओं और पुरुषों द्वारा धार्मिक संस्थाओं को दिए गए दान के बारे में पता चलता है 4.अभिलेखों से उस काल का भी निर्धारण किया जा सकता है 5. कोई अन्य मान्य बिन्दु सीमाएँ- 1.अक्षरों का हल्के रंग में उत्कीर्ण होना 2.अक्षरों का लुप्त हो जाना 3.अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान ना होना 4.सभी अभिलेखों के अर्थ नहीं निकाले गए या प्रकाशित किए गये 5.दैनिक प्रक्रियाएं और रोज़मर्रा की ज़िंदगी का उल्लेख नहीं मिलता 6. अभिलेख के शब्दो के अर्थों के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान का अभाव 7 .अभिलेखों में हमेशा बनाने वाले के विचारों की अभिव्यक्ति 8. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 2 Page 48 **अथवा** मौर्य वंश की विशेषताएँ 1.मौर्य राजवंश था 2.मौर्य साम्राज्य में मुख्य राजनीतिक केंद्र थे -राजधानी पाटलिपुत्र और चार प्रांतीय केन्द्र तक्षशिला ,उज्जयिनी , तोसली और स्वर्णगिरी 3. सीमाएं प्रांत से लेकर आँध्र प्रदेश , उड़ीसा और उत्तरांचल तक फैली थी 4.सबसे प्रबल प्रशासनिक नियंत्रण साम्राज्य की राजधानी और उसके आस पास के प्रांतीय केन्द्र पर 5. तक्षशिला और उज्जयिनी दोनो लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित जबकि सुवर्णगिरी कर्नाटक में सोने की ख़ान के लिए उपयोगी था	2 + 6 8

	6. सेना को यात्रियों के लिए ख़ान पान की व्यवस्था और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था 7. मेगस्थनीज़ ने सैन्य गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और छह उपसमितियों का उल्लेख किया है 8.साम्राज्य के महान अधिकारियों में से कुछ नदियों की देख रेख और भूमि मापन का काम करते हैं 9. वह कर वसूली भी करते थे 10.भूमि से जुड़े सभी व्यवसायियों का निरीक्षण करते थे 11.अर्थशास्त्र प्रसाशन की पूरी जानकारी देता था 12. धम्म के प्रचार के लिए धर्म महामात नाम के विशेष अधिकारियों को नियुक्ति की गई 13. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 2 Page 32-34	
25.	1. मुग़ल साम्राज्य के शासक स्वयं को एक विशाल और विजातीय जनता पर शासन के लिए नियुक्त मानते थे। 2. असलियत में राजनीतिक परिस्थितियां इस भव्य दृष्टि को सीमाबद्ध कर देती थी फिर भी ऐसी दृष्टि महत्वपूर्ण रही। 3. मुग़ल बादशाहों द्वारा मुग़लों व स्थानीय सरदारों के बीच राजनैतिक मैत्रियों के ज़रिए तथा विभिन्न क्षेत्रीय राज्यों को मिलाकर मुग़ल साम्राज्य की रचना की गई 4. बादशाह अकबर ने अपने साम्राज्य का विस्तार किया। 5. उन्होंने इसे अपने समय का विशालतम, दृढ़तम और सबसे समृद्ध राज्य बनाकर सुदृढ़ भी किया। 6. उसने ईरान के सफाविओं और तूरान मध्य एशिया के उज़बेकों की विस्तारवादी योजनाओं पर लगाम लगाए रखी। 7. मुग़ल साम्राज्य में क्रिया और सत्ता लगभग पूरी तरह से एकमात्र बादशाह में निहित थे। 8. शेष राज्य को बादशाह के आदेशों का अनुपालन करना होता था। मुग़ल राज्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ इसके अधिकारीयों का दल था जिसे इतिहासकार अभिजात वर्ग भी कहते हैं, अभिजात वर्ग में भर्ती विभिन्न नृ-जातीय तथा धार्मिक समूहों से होती थी 9. आज भारत में गणतंत्रीय व्यवस्था, देश का संविधान सभी नागरिकों को	8

	सामान दर्जा देता है, धर्म , जाति, रंग, लिंग, क्षेत्रे के आधार पर कोई भेद-भाव नहीं। 10.कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 2 Page 243-244 **अथवा** 1. मुग़ल राज्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ इसके अधिकारियों का दल था जिन्हें इतिहासकार सामूहिक रूप से अभिजात वर्ग कहते हैं 2. अभिजात वर्ग में भर्ती विभिन्न नृ जातीय और धार्मिक समूहों से होती थी ताकि कोई भी दल इतना बड़ा न हो कि वह राजा की सत्ता को चुनौती ना दे सके 3.अभिजात वर्ग में ईरानी ,तूरानी , अफ़ग़ानी ,राजपूत सभी शामिल थे । इन सबको दिए गए पद और पुरस्कार पूरी तरह से राजा के प्रति उनकी सेवा और निष्ठा पर आधारित थे 4.साम्राज्य के निर्माण के आरंभिक चरण से ही तूरानी और ईरानी अभिजात वर्ग अकबर की शाही सेवा में उपस्थित थे 5.1560 से आगे भारतीय मूल के दो शासकीय समूह राजपूतों व भारतीय मुसलमानों ने भी शाही सेवा में प्रवेश किया । इनमें नियुक्त होने वाले प्रथम व्यक्ति यह राजपूत मुखिया अंबेर का राजा भारमल कछवाहा था 6. शिक्षा और लेखाशास्त्र की ओर झुकाव वाले हिंदू जातियों के सदस्यों को की भी पदोन्नत किया जाता था जैसे अक़बर के वित् मंत्री टोटर मल जो खत्री थे 7. जहांगीर के शासन में ईरानियों को उच्च पद प्राप्त हुआ ।जहांगीर की राजनीतिक रूप से प्रभावशाली रानी नूरजहाँ ईरानी थी। 8. औरंगज़ेब ने राजपूतों को उच्च पदों पर नियुक्त किया। 9. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 9 Page 233-234	8
26.	1. राजस्व की बहुत ऊँची मांग 2. उपज की नीची कीमते जिससे कर चुकाना मुश्किल हो जाता था 3. आसमान राजस्व - 4. सूर्यास्त विधि 5. जमींदार की सीमित शक्ति	8

	6. जमींदार की सैनिक टुकड़ियां भंग 7. रैयतों से ज़मींदारो द्वारा कर वसूली में समस्या 8. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 10 Page 260-261 अथवा धनी किसानों का एक ऐसा वर्ग जो उत्तरी बंगाल में काफी शक्तिशाली था जोतदार ज़मींदारों से अधिक प्रभावशाली थे ।उसके शक्तिशाली होने के निम्नलिखित कारण थे । 1. उन्नीसवीं शताब्दी के आरम्भ तक धनी किसानों के इस वर्ग ने बड़े बड़े भागों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया था। कुछ जोतदारों के भू भाग तो हज़ारों एकड़ में फैली थे । 2. स्थानीय व्यापार तथा साहूकारी कारोबार पर भी उनका नियंत्रण था । 3. वे अपने क्षेत्र के ग़रीब काश्तकारों पर व्यापक शक्ति का प्रयोग करते थे 4. ज़मींदारों के विपरीत जोतदार शहर में रहने की बजाए गांवों में ही रहते थे 5.ग़रीब गाँववासियों के एक बड़े वर्ग पर उनका नियंत्रण जमींदारो की अपेक्षा अधिक 6. जोतदार ज़मीनदारों द्वारा गाँव की जमा (लगान) को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों का विरोध करते थे। 7. किसानों को कर न देने के लिए उकसाते थे। 8. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 10 Page 261	8
	खंड ड	
27.	27.1) पादरी खंबायत गुजरात के शहर में गिरजाघर बनवाना चाहते थे । 27.2) गिरजा घर बनवाने के लिए अकबर ने शाही फ़रमान जारी किया और खंबायत के लोगों को हिदायत दी की गिरजाघर बनाने में कोई रूकावट नहीं आनी चाहिए 27.3) सैद्धांतिक रूप से उलमा के मार्गदर्शन में चलना होता था किन्तु भारतीय महाद्वीप में शासकों ने सभी धर्मो के लोगों को अपने धर्मानुसार आचरण करने की छूट दी तथा धर्मसहिष्णुता का रुख अपनाया क्योकि अधिकतर जनता इस्लाम धर्म को मानने वाली नहीं थी। (कोई अन्य मान्य बिन्दु)	1+2+2=5

	Theme 6 Page 150	
28.	28.1) गांधीजी का मानना था कि “अस्पृश्यता “के लिए पृथक निर्वाचन एक प्रावधान से उनकी दास्ता स्थाई रूप ले लेगी ।इस प्रकार “अस्पृश्यता “सदैव अस्पृश्य बने रहेंगे। पृथक निर्वाचन से उनके प्रति कलंक का यह भाव और मज़बूत हो जाएगा । इस प्रकार उनका समाज में एकीकरण नहीं हो पाएगा और स्वर्ण हिन्दुओं से हमेशा के लिए अलग रह जाएंगे। 28.2) पृथक निर्वाचन के स्थान पर गांधीजी चाहतें थे की अस्पृश्यता का विनाश किया जाए। 28.3) विद्यार्थी के स्वयं के विचार Theme 13 Page 360	2+1+2=5
29.	1. परिनिर्वाण का अर्थ है मुक्ति 2. तथागत बुद्ध का दूसरा नाम था। उन्होंने अनंद को बताया की जो कोई स्तूप में धुप या माला चढेगा या शीश नवाएगा अथवा वहां पर मान में शांति लाएगा उसके लिए स्तूप चिरकाल तक शांति का कारण बनेगा 3. स्तूप बुद्ध धर्म से जुड़े पवित्र टीलें है ।इनमे बुद्ध के शरीर के कुछ अवशेष अथवा उनके द्वारा प्रयोग की गयी किसी वस्तु को गड़ा गया था। स्तूप बुध के महापारिनिब्बान का प्रतीक है। Theme 4 Page 96	1+2+2=5
	खंड च	

30.	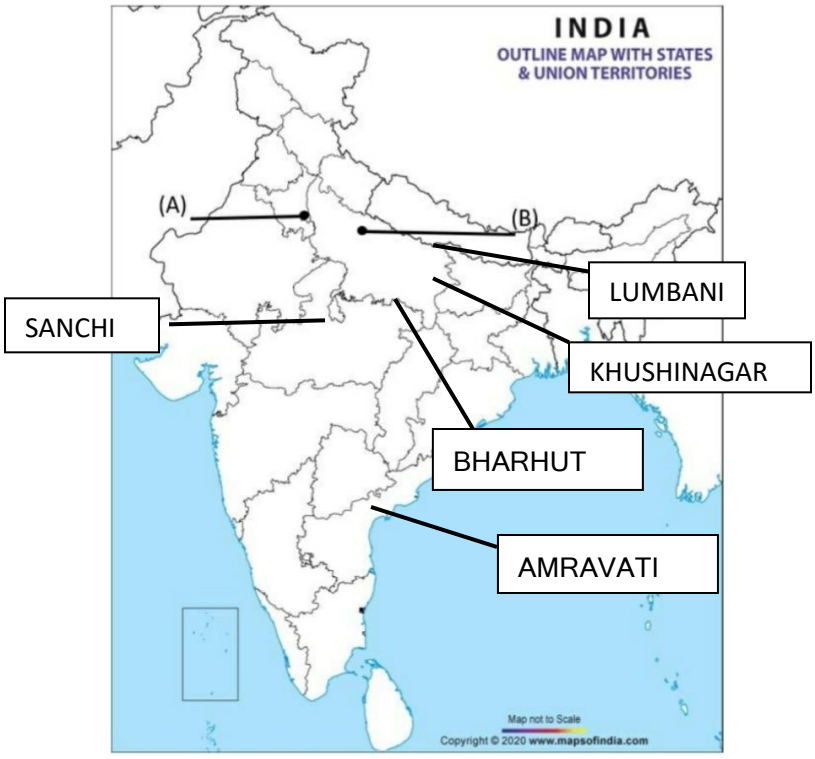	1+1+1=3

	30.2) **A)** दिल्ली **B)** कानपुर **<u>For Visually impaired candidates in lieu of map questions.</u>** 30. 1. सारनाथ ,बोध गया, कुशीनगर ,लुम्बिनी ,श्रावस्ती (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) (कोई तीन) 30. 2. दिल्ली, मेरठ ,लखनऊ ,बनारस ग्वालियर ,जबलपुर ,आगरा (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) (कोई दो)	1+1=2